1 * तू ज़िन्दा है तो.....

'तू ज़िन्दा है तो.....' कविता गहरे जीवन राग और उत्साह को प्रकट करती है। इस जीवन राग में अतीत के दुखदायी पलों को भूलकर आशा और जीत की नई दुनिया का स्वागत करने की प्रेरणा है।

तू ज़िन्दा है तो ज़िन्दगी की जीत में यक़ीन कर
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर

ये ग़म के और चार दिन, सितम के और चार दिन
ये दिन भी जायेंगे गुज़र, गुज़र गये हज़ार दिन
कभी तो होगी इस चमन पे भी बहार की नज़र
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

सुबह और शाम के रंगे हुए गगन को चूमकर
तू सुन ज़मीन गा रही है कब से झूम-झूम कर
तू आ मेरा सिंगार कर तू आ मुझे हसीन कर
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

हजार भेष धर के आई मौत तेरे द्वार पर
मगर तुझे न छल सकी, चली गई वो हारकर
नई सुबह के संग सदा तुझे मिली नई उमर
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

हमारे कारवां को मंज़िलों का इंतज़ार है
ये आँधियों, ये बिजलियों की पीठ पर सवार है
तू आ कदम मिला के चल, चलेंगे एक साथ हम
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

ज़मीं के पेट में पली अगन, पले हैं ज़लज़ले
टिके न टिक सकेंगे भूख रोग के स्वराज ये
मुसीबतों के सर कुचल, चलेंगे एक साथ हम
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

बुरी है आग पेट की, बुरे हैं दिल के दाग़ ये
न दब सकेंगे, एक दिन बनेंगे इंकलाब ये
गिरेंगे ज़ुल्म के महल, बनेंगे फिर नवीन घर
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला ज़मीन पर
तू ज़िन्दा है तो.....

शंकर शैलेन्द्र

शब्दार्थ

यक़ीन	–	भरोसा
सितम	–	ज़ुल्म
गुज़र	–	बीतना
चमन	–	बाग़, फुलवारी
बहार	–	शोभा, सुन्दरता
ज़ुल्म	–	अत्याचार
सिंगार	–	शृंगार
कारवाँ	–	काफ़िला
ज़मीं	–	ज़मीन
अगन	–	आग
ज़लज़ले	–	भूकंप
स्वराज्य	–	अपना राज्य

गतिविधि :

1. अपनी कक्षा में समूह के साथ सस्वर गायन कीजिए।
2. कविता से निम्न श्रेणियों के शब्दों की सूची बनाइए:-

तत्सम	तद्भव	अरबी–फ़ारसी